826

2320/-

[illegible stamp endorsement] 460 (1) P/3(a) (4) 23 I. A. with the Permission of D.C.L.R Simdega, vide case [illegible] 140/03-04 [illegible] dt. 11.10.04

क (1)	576=00
ख (2)	45=00
	621/-
कलमांक	2.50
तलबाना	0.94
	3=44
	624=44

07.11.04

(1) लेख्यकारी :- श्री समीर बरवा पिता स्व० जुनास बरवा

जाति- उराँव, धर्म- इसाई, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- गोतरा ठाकुरटोला, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. .. .. बिक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या :- 394-/2004

(2) लेख्यधारी :- श्री सुजीत एक्का पिता स्व० सुदर्शन एक्का

जाति- उराँव, धर्म- इसाई, पेशा- खेती गृहस्थी, निवास ग्राम- गोतरा ठाकुरटोला, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या :- 395 /2004

कोषागार पदाधिकारी
सिमडेगा

[illegible]
2/11/04
सहायक
कोषागार सिमडेगा

क्रमांक ... 1013 ... ... ता० ...
नाम श्री समीर ... वा० ... बरवा [illegible]
थाना सिमडेगा — जिला - सिमडेगा
वास्ते [illegible] कीमत — 500/-
क्रम: 1013 ... से 1020 तक/

Sabina Rajendra Singh
एस. आर. सिंह
मुद्रांक विक्रेता
सिमडेगा कोर्ट (सिमडेगा)
ला० नं० — 4/96

500 × 4 = 2000
100 × 3 = 300
20 × 1 = 20
= 2320/-

दिनांक 02.11.04 ... 10 बजे [illegible]
[illegible] निबंधक कार्यालय
सिमडेगा में [illegible]
[illegible] मुख्तार [illegible]
[illegible] के
[illegible] के जिला [illegible]
[illegible]
श्री / श्रीमती समीर बरवा
पिता / [illegible]
ग्राम ... सोगरा ... थाना ... सिमडेगा
जाति ... [illegible] ... पेशा ... खेती
हाथुबोली
[signature] 2/11/04
[illegible]

समीर बरवा
2/11/04

उपरोक्त [illegible] श्री समीर बरवा [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] है।

[signature]
2/11/04

क्र. 439
U.4/04

क्र. 440
U.4/04

समीर बरवा
2/11/04
फ्रांसिस [illegible]
2/11/04

(3) लेखप्रकार:- विक्रय पत्र केवाला बैला कलामी पुश्त दर पुश्त दिक्क हमेशा के लिए बिक्री होता है ।

(4) मूल्य:- मो०बलिग संतावन हजार छः सौ रुपये अंके 57,600/- रुपये जिसका आधा अट्ठाईस हजार आठ सौ रुपये अंके 28,800/- रुपये होता है ।

(5) सम्पति:- एराजियात खतियानी आवासीय जमीन मौजा- गेतरा ठाकुरटोली, थाना- सिमडेगा, थाना नं० 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के अन्दर खाता नं० 236 (दो सौ छत्तीस) प्लॉट नं० 5982 (पचास सौ बेरासी) रकबा 2.46 एकड़ में से 0.06 एकड़ (छः डिसमिल)

जिसकी चौहद्दी:-

उत्तर:- नाज विक्रेता को अंश प्लॉट का अंश,

दक्षिण:- श्रीमती विलयेन मिंज का जमीन,

पूरब :- निरंजन प्रसाद वगैरह का जमीन,

पश्चिम:- रोशन बरवा का जमीन ।

मालगुजारी 2 पैसा (दो पैसा) अलावे सेस लगाना ।

सुधीर बरवा 2/11/04

गवाह राजेश आरती पिता स्व० अवधेश आरती सा० सलडेगा थाना सिमडेगा जि० सिमडेगा 2/11/04

१०. चूँकि इस समय मुझे लेखकारी को घर बनाने हेतु रुपयों की आवश्यकता है और बिना जमीन बेचे रुपया पाने का कोई अन्य उपाय नहीं है। अतः मैंने उपरोक्त लेखधारी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने उपर वर्णित मूल्य पर खरीदना स्वीकार किया।

११. अतः मैं तन एवं मन की पूर्ण स्वस्थता में रहकर उपर खाता संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर वर्णित कीमत नगद वो चुकता पाकर लेखधारी के हाथ सदा दिन के लिए बेचा एवं बेची गई भू सम्पति का सारा हक वो अधिकार उक्त लेखधारी को उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया। अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा।

13. मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि उपरोक्त जमीन हमारी खतियानी जमीन है जो भकरा उराँव के नाम नाप दर्ज है जो मेरे परदादा थे उपरोक्त जमीनों का आपसी मैयादी मौखिक बँटवारा हो चुका है उपरोक्त जमीन, जो मैं बेच रहा हूँ आपसी मैयादी मौखिक बँटवारे में मुझे प्राप्त है एवं मेरे नीज हिस्से की है, तथा स्वयं के नाम से पंजी II में जमाबन्दी कायम है। इसपर किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीं है।–

14. चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार मोकाम सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया जिसका वाद संख्या 140/03-04 है जिसका स्वीकृति दिनांक 11.10.2004 को प्राप्त हुई जिसका मेमो नं0 652 दिनांक 12.10.2004 है।

सगीर ...
2/11/04

--5--

(5) अब चाहिए कि लेखधारी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें।

(6) इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला बैना कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे।

मैं घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन को बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही/- समीर खरवा
2/11/04

(लेख्यकारी)

समीर खरवा
2/11/04

मैं घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन को बरादगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही/- सुजीत खक्का
2/11/05

(लेख्यधारी)

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.   Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये   ONE HUNDRED RUPEES

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना को समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/-

(प्रारूपकर्त्ता)

तारीखः-

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल आठ पृष्ठों में कुल 536 शब्द टंकित हैं जो [illegible] रहित जो नक्सा सहित है ।

टंकक

मो० मकसूद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।

२० रु. भारत INDIA 20 RS

TWENTY RUPEES

— १ —

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विक्रय पत्र दस्तावेज के मूल प्रति द्वितीयक प्रति के साथ हूबहू एवं सच्ची प्रतिलिपि है ।

सही/- समीर बरुआ
2/11/04

समीर बरुआ 2/11/04